साई नाम की जुगनी

मैं जुगनी मैं जुगनी मैं जुगनी,
जुगनी जुगनी जुगनी रे,
साईं नाम की जुगनी,
मेरे बाबा की जुगनी,
मैं तो साईं की जुगनी,
साईं नाम की जुगनी,

मुझे पागल पागल मत बोलो मैं साईं की हु दीवानी,
तुम भी पागल हो जाओ अगर देखलो जलवा नुरानी,
आल्हा वाणी की जुगनी.....

सोना लेने साईं गये सुना कर गये बेश,
सोना मिला न साईं मिले मेरे रूपा हो गए केश.
मैं तो साईं की जुगनी साईं नाम की जुगनी....

गंगा घाट पर मैं हु खड़ी पानी झील मिल होए,
मैं पापन साईं उजले सो मिलना किस बिध होये,
मैं तो साईं की जुगनी साईं नाम की जुगनी,

मोसे रूठे अपने पराये कोई न मेरा साथ निभाये,
सब रूठे इक तुम न रुठियो तुम रुठियो तो गजब हो जाए,
मैं तो साईं की जुगनी साईं नाम की जुगनी,

जा रे सखी तू जा ले जा संदेसा जा साईं के द्वार,
कोई न दर से खाली लौटा तेरा भरा भंडार,
मैं तो साईं की जुगनी .....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8554/title/sai-naam-ki-jugni

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |